हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज के निशांत राष्ट्रीय स्पर्धा में प्रथम

प्रतिभा का सम्मान : हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज के छात्र निशांत को सम्मानित करते प्रबंधक ● जागरण

जागरण संवाददाता, बिलासपुर : चंडीगढ़ में हुई राष्ट्रीय पोस्टर स्पर्धा में हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला बिलासपुर के निशांत ने देशभर में पहला स्थान पाया है। चंडीगढ़ के एसीएसआइआर-सीएसआइओ चंडीगढ़ में आइईईई की ओर से सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क विषय पर यह प्रतियोगिता करवाई गई थी। इसमें आनलाइन माध्यम से देशभर के कई संस्थानों से युवाओं व छात्रों ने हिस्सा लिया। इस स्पर्धा में हाइड्रो कालेज के निशांत ने भी हिस्सा लिया था। निशांत हाइड्रो कालेज बिलासपुर में छठे सेमेस्टर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। उसे स्पर्धा में पहला इनाम मिला है। इसके लिए उसे हाइड्रो कालेज के प्रो. डा. एसपी गुलेरिया डायरेक्ट व डा. उमेश सी राठोड ने सम्मानित किया।

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर बंदला में छात्रों को गेस्ट लेक्चर देने पहुंचे विशेषज्ञ को सम्मानित करते हुए ● जागरण

शिविर में की मानसिक स्वास्थ्य समस्या पर चर्चा

जागरण संवाददाता, बिलासपुर : राजकीय हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला, बिलासपुर में शनिवार को छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य पर एक विशेषज्ञ शिविर का आयोजन किया गया। इसे डा. शत्रुघ्न सिंह ने आयोजित किया। डा. शत्रुघन सिंह सीआरसी में मनोविज्ञान में सहायक प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। डा. शत्रुघ्न ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या पर चर्चा की और इसकी शीघ्र पहचान की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अनुपचारित मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं न केवल बच्चों और किशोरों में बल्कि उनके परिवारों और देखभाल करने वालों के लिए भी संकट पैदा करती है। हाइड्रो कालेज बंदला बिलासपुर के कैंपस इंचार्ज डा. शशि गुरुंग ने कहा कि कैंपस में ऐसे कार्यक्रम समय-समय पर बच्चों के लिए आयोजित किए जाते हैं ताकि बच्चों के मानसिक, शारीरिक व बौद्धिक का संपूर्ण विकास हो सके। डा. एसपी गुलेरिया निदेशक-सह-प्राचार्य के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक हुआ।

हमीरपुर-बिलासपुर की खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला बिलासपुर में वीरवार को आयोजित वर्कशाप में हिस्सा लेते छात्र व जानकारी देते पदाधिकारी ● जागरण

कार्यशाला में छात्रों ने जाना इलेक्ट्रिक व्हीकल का महत्व

जागरण संवाददाता, बिलासपुर : गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला बिलासपुर में वीरवार को इलेक्ट्रिकल व्हीकल पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डा. संजय मारवाह संत लोंगोवाल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान पंजाब ने बतौर रिसोर्स पर्सन छात्रों को जानकारी दी।

डा. संजय मारवाह ने प्रथम वर्ष के विद्युत छात्रों के साथ संवादात्मक सत्र किया। उन्होंने छात्रों के साथ विद्युत वाहन के महत्व पर चर्चा में बताया कि किस तरह से वह पर्यावरण के लिए वाहनों के इस्तेमाल को सही कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को बताया कि जब कोई जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल या डीजल) का उपयोग हम अधिक करते हैं तो उसके दुष्परिणाम क्या हैं। उन्होंने उन चुनौतियों के बारे में भी छात्रों को बताया कि जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आ सकती हैं।

उन्होंने विद्युत चुंबकीय प्रदूषण के बारे में भी चर्चा की। विद्युत चुंबकीय क्षेत्र और विद्युत चुंबकीय विकिरण, विद्युत चुंबकीय प्रदूषण के रूप में, पर्यावरण के विभिन्न तत्वों को प्रभावित करते हैं। निदेशक व सह-प्रधानाचार्य डा. आरके अवस्थी एवं विद्युत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डा. उमेश राठौर के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कैंपस प्रभारी डा. शशि गुरुंग और उनकी टीम के सदस्यों ने छात्रों के लाभ के लिए एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

हमीरपुर-बिलासपुर की खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

प्रशिक्षुओं मे सीखे आग से बचाव के गुर

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला में आग से निपटने के उपाय सिखाते अधिकारी ● जागरण

बिलासपुर : गवर्नमेंट हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला बिलासपुर की ओर से संस्थान के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के लिए बुधवार को अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अग्निशमन विभाग के एसएफओ (अग्निशमन उप अधिकारी) दीवान चंद ने अग्नि सुरक्षा उपाय के बारे में बच्चों व कर्मचारियों को जागरूक किया और अग्निशामक यंत्र का उपयोग करने की विधि के बारे में भी बताया। सुरिंदर चंदेल बीएसओ ने आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार तकनीक पर प्रदर्शन किया। इसे सफल बनाने में डा. शशि गुरुंग, और अमित पाठक ने निदेशक-सह-प्राचार्य के मार्गदर्शन में अग्निशमन विभाग और होमगार्ड विभाग के साथ समन्वय स्थापित किया। (जासं)

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन और नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ़ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढ़वाल काम करेंगे

एम ओ यू पर हस्ताक्षर होने के बाद दोनों कालेजों के प्रबंधक।

सवेरा न्यूज/अरुण डोगरा

बिलासपुर, 21 फरवरी : तकनीकी क्षेत्र में अपना भविष्य संवार रहे विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर यह है कि निकट भविष्य में बिलासपुर हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन और नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ़ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढवाल मिलकर काम करेंगे।यह एमओयू निकट भविष्य में विद्यार्थियों के लिए सुनहरे भविष्य के द्वार खोलेगा। इसके अलावा लैब परीक्षण, शैक्षणकि भ्रमण, जॉब प्लेसमैंट, शिक्षा एवं अनुसंधान का आदान प्रदान, पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को बिलासपुर के इस कालेज के कई विषयों पर शोध करने का अवसर मिलेगा। डा. हिमांशु मोंगा ने बताया कि हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानि एम्स से भी समझौता करने जा रहा है, जिसके तहत एम्स के चिकित्सकीय स्टाफ और निर्सज आदि को साईबर सिक्योरिटी के बारे में निपुण किया जाएगा। इस अवसर पर बिलासपुर हाइड्रोइंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन की ओर से डायरेक्टर एवं प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा और नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढवाल से डा. ललित कुमार अवस्थी, अकैडमिक इंचार्ज डा. शशि गुरंग, सिविल इंचार्ज अभिमन्यू, इलेक्ट्रिकल इंचार्ज निखिल सुखीजा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल और बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन में एम.ओ.यू. साइन

एम.ओ.यू. साइन होने से युवाओं को संचार क्रांति के लिए नए विषय सीखने व नौकरियों के अवसर मिलेंगे

बिलासपुर, 21 फरवरी (विशाल) : तकनीकी क्षेत्र में अपना भविष्य संवार रहे विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर यह है कि निकट भविष्य में बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन और नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल मिलकर काम करेंगे।

इससे युवाओं को न सिर्फ संचार क्रांति के लिए नए विषय सीखने को मिलेंगे, बल्कि नौकरियों के अवसर भी मिलेंगे। इसी आशय को लेकर नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल और बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन में एम.ओ.यू. साइन हुआ है। श्रीनगर गढ़वाल की ओर से इस औपचारिकता का प्रो. ललित कुमार अवस्थी, जबकि बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज की ओर से डायरैक्टर एवं प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा ने निभाया। यह एम.ओ.यू. निकट भविष्य में विद्यार्थियों के लिए सुनहरे भविष्य के द्वार खोलेगा।

इस बात का खुलासा करते हुए प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा ने बताया कि इस अनुबंध से दोनों राज्यों के कालेजों के हजारों विद्यार्थियों को फैक्लटी एक्सचेंज और अनुसंधान में मदद मिलेगी। इसके अलावा लैब परीक्षण, शैक्षणिक भ्रमण, जॉब प्लेसमैंट, शिक्षा एवं अनुसंधान का आदान-प्रदान करने व पीएच.डी. करने वाले विद्यार्थियों को बिलासपुर के इस कालेज के कई विषयों पर शोध करने का अवसर मिलेगा। डा. हिमांशु मोंगा ने बताया कि यह तकनीकी शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल के प्रयासों के कारण संभव हो पाया है।

बिलासपुर : नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल और बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन में एम.ओ.यू. साइन करने के बाद प्रो. ललित कुमार अवस्थी डायरैक्टर-प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा सहित अन्य सामूहिक चित्र में। (विशाल)

डा. हिमांशु मोंगा ने बताया कि हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स से भी समझौता करने जा रहा है, जिसके तहत एम्स के चिकित्सकीय स्टाफ और नर्सिज आदि को साइबर सिक्योरिटी के बारे में निपुण किया जाएगा।

शीघ्र ही इस योजना के सिरे चढ़ने की उम्मीद है। इस अवसर पर बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन की ओर से डायरैक्टर एवं प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा और नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी उत्तराखंड श्रीनगर गढ़वाल से डा. ललित कुमार अवस्थी, एकैडमिक इंचार्ज डा. शशि गुरंग, सिविल इंचार्ज अभिमन्यु व इलैक्ट्रीकल इंचार्ज निखिल सुखीजा सहित अन्य गण्यमान्य लोग मौजूद थे।

बिलासपुर हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन और नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी पर उतराखंड में एमओयू साईन

बिलासपुर, (आपका फैसला)। तकनीकी क्षेत्र में अपना भविष्य संवार रहे विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर यह है कि निकट भविष्य में बिलासपुर हाइड्रो इंजीनियरिंग

शिक्षा, नौकरी, नई तकनीक में होगा आदान प्रदान

कालेज प्रबंधन और नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढ़वाल मिलकर काम करेंगे। जिससे युवाओं को न सिर्फ संचार क्रांति के लिए नए विषय सीखने को मिलेंगे बल्कि नौकरियों के अवसर भी मिलेंगे। इसी आशय को लेकर नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढ़वाल और बिलासपुर हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन में एमओयू साईन हुआ है। नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढ़वाल की ओर से इस औपचारिकता का प्रो. ललित कुमार अवस्थी जबकि बिलासपुर हाईड्रो इंजीनियरिंग कालेज की ओर से डायरेक्टर-प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा ने निभाया। यह एमओयू निकट भविष्य में विद्यार्थियों के लिए सुनहरे भविष्य के द्वार खोलेगा। इस बात का खुलासा करते हुए प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोगा ने बताया कि इस अनुबंध से दोनो राज्यों के दोनो कालेजों के हजारों विद्यार्थियों को फैक्लटी एक्सचेंज और अनुसंधान में मदद मिलेगी। इसके अलावा लैब परीक्षण, शैक्षणिक भ्रमण, जॉब प्लेसमेंट, शिक्षा एवं अनुसंधान का आदान प्रदान, पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को बिलासपुर के इस कालेज के कई विषयों पर शोध करने का अवसर मिलेगा। डा. हिमांशु मोंगा ने बताया कि यह तकनीकी शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल के प्रयासों के कारण संभव हो पाया है। डा. हिमांशु मोंगा ने बताया कि हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानि एम्स से भी समझौता करने जा रहा है, जिसके तहत एम्स के चिकित्सकीय स्टाफ और नर्सिज आदि को साईबर सिक्योरिटी के बारे में निपुण किया जाएगा। शीघ्र ही इस योजना के सिरे चढ़ने की उम्मीद है। इस अवसर पर बिलासपुर हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज प्रबंधन की ओर से डायरेक्टर एवं प्रिंसीपल डा. हिमांशु मोंगा और नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ टैक्नॉलोजी उतराखंड श्रीनगर गढ़वाल से डा. ललित कुमार अवस्थी, अकैडमिक इंचार्ज डा. शशि गुरंग, सिविल इंजार्च अभिमन्यू, इलेक्ट्रिकल इंजार्च निखिल सुखीजा सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

हाइड्रो कालेज बंदला का छात्रों ने किया भ्रमण

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बंदला में हरनोड़ा स्कूल के छात्र जानकारी लेते हुए ● जागरण

विलासपुर : हाइड्रो कालेज बंदला में बुधवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरनोड़ा के छात्र शैक्षणिक भ्रमण के लिए पहुंचे। स्कूल से 28 बच्चों का समूह पहुंचा और इस दौरान उनके साथ स्टाफ सदस्य अनिल कुमार व श्वेता मौजूद रही। कालेज में बच्चों को फिजिक्स लैब, इलेक्ट्रिकल लैब और लाइब्रेरी सहित नवीन तकनीकों की जानकारी दी गई। बच्चों को लेजर लाइट व आप्टिकल फाइबर की वर्किंग प्रणाली के बारे में भी बताया गया। इस दौरान कालेज के फिजिक्स प्रवक्ता अमित पाठक ने बच्चों को मोटिवेशनल भाषण देकर उन्हें उनके भविष्य के प्रति जागरूक किया। कालेज के अकादमिक प्रभारी शशि गुरंग ने बताया कि कालेज में बच्चों को पूरी जानकारी कालेज में दी जाती है। जासं